



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

21.3.88

No. 23] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 13, 1988/पौष 23, 1909
No. 23] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 13, 1988/PAUSA 23, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1988

अधिसूचना

सा. का. नि. 28(अ):—केन्द्रीय सरकार महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963
(1963 का 38) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उप-खंड (ii) के
प्रावधानों के अनुसरण में तथा भारत सरकार के परिवहन मंत्रालय, जल-भूतल परिवहन

विभाग के अधिसूचना स. 56(अ) दिनांक 27 जनवरी, 1986 का अधिक्रमण करते हुए एतद्वारा नीचे दी गई तालिका के कालम 4 में उल्लिखित व्यक्तियों की संख्या को उक्त तालिका के कालम 2 और 3 में दर्शाए गए हितों का क्रमशः प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रत्येक निकाय द्वारा कलकत्ता पत्तन के न्यासी मंडल में चुने जाने हेतु सुनिश्चित करती है :

बशर्ते कि उक्त तालिका के क्रम संख्या 7 के सामने उल्लिखित निकाय पर सरकार का स्वामित्व अथवा नियंत्रण होने के मामले में, इस निकाय द्वारा चुने गए व्यक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किए जाएंगे ।

तालिका

क्रम. सं.	निकायों की संख्या	हित	नियुक्त कि जाने वाले व्यक्तियों की संख्या
1	2	3	4
1.	शिपिंग कारपोरेशन आफ इंडिया लि.	जहाज मालिक	1
2.	आल इंडिया शिपर्स कौंसिल	शिपर्स	1
3.	एसोशिएशन आफ शिपिंग इन्टरैस्ट, कलकत्ता	जहाज मालिक	1
4.	इन्डियन चैंबर आफ कामर्स, कलकत्ता	शिपर्स	1
5.	बंगाल नैशनल चैंबर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री, कलकत्ता	शिपर्स	1
6.	बंगाल चैंबर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री, कलकत्ता	शिपर्स	1
7.	इंडियन आयल कारपोरेशन लि.	अन्य हित	1
	कुल		7

2 केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (4) के अनुसार एतद्वारा 1 मार्च, 1988 को समाप्त अवधि को उस अवधि के रूप में निर्दिष्ट करती है जिसके दौरान न्यासियों के चुनाव कर लिए जाएं ।

3. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1988 से प्रभावकारी होगी ।

[फा.सं. पी टी-18011-2/87-पी टी-(ii)]

योगेन्द्र नारायण, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 13th January, 1988

NOTIFICATION

G. S. R. 28(E):—In pursuance of the provisions of sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Transport, Department of Surface Transport (Ports Wing) No. G. S. R. 56(E) dated 27th January, 1986, the Central Government hereby specifies the number of persons mentioned in column 4 of the Table below to be elected by each of the bodies to represent each of the interests shown respectively in columns 2 and 3 of the said Table, on the Board of Trustees of the Port of Calcutta:

Provided that in the case of body mentioned against Serial Number 7 of the said Table being owned or controlled by the Government, the persons to be elected by such body shall be appointed by the Central Government.

TABLE

Serial Number	Name of bodies	Interest	Number of person to be appointed
1	2	3	4
1.	Shipping Corporation of India Limited	Shipowners	1
2.	All India Shippers Council	Shippers	1
3.	Association of Shipping Interests, Calcutta.	Shipowners	1
4.	Indian Chamber of Commerce Calcutta	Shippers	1
5.	Bengal National Chamber of Commerce and Industry, Calcutta	Shippers	1
6.	Bengal Chamber of Commerce and Industry, Calcutta.	Shippers	1
7.	Indian Oil Corporation Ltd.	Other interests	1
		Total :	7

2. In pursuance of sub-section (4) of section 3 of the aforesaid Act, the Central Government hereby specifies the period ending with the 1st March, 1988 as the period within which the election of Trustees shall be held.

3. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1986.

[F. No. PT-18011-2/87-P. (ii)]

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.